दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-३४० वा गुरूवार १७ जुलै २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

इंसाफ में देरी भी नाइंसाफी है!

परळी के व्यापारी महादेव मुंडे की पत्नी ने की विषपान की कोशिश, एसपी ऑफिस के सामने मचा हड़कंप

परळी (जिला बीड):
मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के बाद बीड जिला लगातार चर्चाओं में बना हुआ है। इस हत्या के बाद मृतक के परिजनों द्वारा लगातार गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में परळी के व्यापारी महादेव मुंडे की हत्या के मामले में भी परिजनों ने बार-बार माँग की है कि इस मामले की जाँच एसआइटी या सीआईडी के माध्यम से कराई जाए।

महादेव मुंडे की हत्या को १८ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक परिजन इस जांच से संतुष्ट नहीं हैं। आरोपी अब तक खुले घूम रहे हैं, और पुलिस की जाँच की गति बेहद धीमी बताई जा रही है।

महादेव मुंडे की पत्नी, ज्ञानेश्वरी मुंडे, कई दिनों से न्याय की गुहार लगाते हुए बीड के पुलिस अधीक्षक कार्यालय के चक्कर काट रही थीं। उन्होंने पहले भी कुछ गंभीर आरोप लगाए थे और बार-बार पुलिस से कार्यवाही की माँग की थी। लेकिन जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो उन्होंने आत्मदाह की चेतावनी दी थी।

आज ज्ञानेश्वरी मुंडे अचानक एसपी ऑफिस पहुँच गईं, जहाँ उन्हें पुलिस ने गेट पर ही रोक लिया और हिरासत में ले लिया। इस दौरान आंदोलनकारी और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी देखने को मिली।

इसी बीच ज्ञानेश्वरी मुंडे ने मीडिया के सामने ही अचानक विषपान कर लिया, जिससे पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। उन्हें तुरंत बीड के शासकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, विषपान के बाद वह अचेत अवस्था में थीं, और उन्हें अधिक उपचार के लिए आईसीयू (अतिदक्षता विभाग) में शिफ्ट किया गया है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में कड़ा बंदोबस्त कर लिया है, और एसपी कार्यालय के बाहर भारी तनाव का माहौल देखा जा रहा है।

कुछ ही दिन पहले ज्ञानेश्वरी मुंडे ने एसपी से मुलाकात की थी, लेकिन उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। अब इस आत्महत्या की कोशिश ने न केवल पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि यह साफ कर दिया है कि

इंसाफ में देरी भी एक तरह की नाइंसाफी है।

शिवसेना (शिंदे गुट) और आनंदराज आंबेडकर की रिपब्लिकन सेना में गठबंधन

रिपोर्ट: ज़मीर क़ाज़ी
मुंबई:

आम जनता के जीवन में बेहतर बदलाव लाने के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और आनंदराज आंबेडकर के नेतृत्व वाली रिपब्लिकन सेना ने विचार, विश्वास और विकास की त्रिसूत्री पर काम करने के वादे के साथ गठबंधन की घोषणा की है।

यह ऐलान नरिमन पॉइंट स्थित महिला विकास मंडल सभागृह में आयोजित पत्रकार परिषद में किया गया, जहाँ दोनों दलों के प्रमुख नेता उपस्थित थे। यह गठबंधन आगामी स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस मौके पर सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, आ. दीपक केसरकर, आ. दिलीप लांडे सहित कई नेता मौजूद थे।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि शिवसेना और रिपब्लिकन सेना दोनों ही दल सड़क पर अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले सेनानी हैं - एक बाळासाहेब ठाकरे के विचारों की विरासत लेकर चल रही है तो दूसरी भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के रक्त की विरासत। संविधान सर्वोच्च है, और हर सामान्य व्यक्ति को न्याय मिलना चाहिए तथा वह मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। हम बाबासाहेब के संविधान और छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श को सामने रखकर काम कर रहे हैं। दोनों दल कार्यकर्ता-आधारित हैं, इसलिए यह गठबंधन स्वाभाविक है और सफल रहेगा। आनंदराज आंबेडकर ने विश्वास जताया कि इस गठबंधन से महाराष्ट्र में सामाजिक और राजनीतिक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि आंबेडकरी कार्यकर्ताओं को सत्ता में शामिल किया जाएगा। शिंदे की ठाकरे पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी: उपमुख्यमंत्री शिंदे ने नाम लिए बिना उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा - कुछ लोग बाळासाहेब के साथियों को 'घरेलू नौकर' समझने लगे थे, वहीं से गाड़ी फसने लगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्वभाव और सोच का मेल होता है तभी गठबंधन सफल होता है, ऐसा कहकर उन्होंने गठबंधन के पीछे की विचारधारा पर ज़ोर दिया।

बीड-जालना माध्यमिक शिक्षण विभाग की रिक्तियाँ तुरंत भरी जाएं-मराठवाड़ा शिक्षक संघ का ज्ञापन!

छत्रपति संभाजीनगर, औरंगाबाद
१६ जुलाई

बीड और जालना के माध्यमिक शिक्षण विभागों में रिक्त पदों के कारण शिक्षकों के कई कार्य अटके पड़े हैं। इससे शिक्षकों में भारी असंतोष और नाराज़गी फैली हुई है। इसे गंभीरता से लेते हुए मराठवाड़ा शिक्षक संघ के महासचिव राजकुमार कदम ने छत्रपति संभाजीनगर के शिक्षण उपसंचालक को ज्ञापन सौंपते हुए इन रिक्त पदों को तुरंत भरने की मांग की है।

विस्तृत जानकारी:

मराठवाड़ा शिक्षक संघ के महासचिव राजकुमार कदम और जिलाध्यक्ष भाई चंद्रकांत चव्हाण ने शिक्षण उपसंचालक मा. प्रकाश मुकुंद से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि बीड और जालना माध्यमिक शिक्षण विभाग में अनेक पद लंबे समय से रिक्त हैं।

बीड जिले में लिपिक का पद खाली है, जिससे पूरा कार्यालयीन कामकाज ठप्प पड़ा है।

जालना माध्यमिक शिक्षण विभाग में उपशिक्षणाधिकारी और अधीक्षक के पद रिक्त हैं, जिससे विभागीय कार्यों में बाधा आ रही है।

दोनों जिलों के वेतन पथक कार्यालयों में भी कई पद रिक्त हैं, जिसकी जानकारी उपसंचालक को दी गई।

इस व्यापक स्तर पर रिक्तियों के चलते कार्य की रफ्तार थम गई है और शिक्षकों में गहरी नाराजगी उत्पन्न हो रही है।

मराठवाड़ा शिक्षक संघ ने चेतावनी दी है कि यदि इन पदों को तुरंत नहीं भरा गया, तो तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

सरकारी अधिकारी-कर्मचारी 'विकसित महाराष्ट्र सर्वेक्षण' में भाग लें - जिल्हाधिकारी विवेक जॉन्सन

बीड, दिनांक १६ (जिमाका): विकसित महाराष्ट्र २०४७ के तहत नागरिकों का सर्वेक्षण १७ जुलाई २०२५ तक पूरा करना है। इस सर्वेक्षण में आम नागरिकों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि उनकी समस्याओं और सरकार से अपेक्षाओं की जानकारी लेकर उसी आधार पर भविष्य का रोडमैप तैयार किया जा सके।

इस संदर्भ में सबसे पहले सभी सरकारी अधिकारी और कर्मचारी स्वयं इस लिंक पर क्लिक कर सर्वेक्षण में भाग लें। साथ ही, अपने परिवार के सभी सदस्यों को भी इसमें भाग लेने हेतु प्रेरित करें, ऐसा आवाहन जिल्हाधिकारी विवेक जॉन्सन ने किया है।

इसके बाद अपने अधीनस्थों और संपर्क में आने वाले सभी नागरिकों को भी सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। अपने गाँव, शहर के नागरिकों तथा रिश्तेदारों और मित्रों के व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से इस सर्वेक्षण के बारे में जागरूकता फैलाएं ताकि बीड जिले से अधिकतम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके, ऐसा भी जिल्हाधिकारी जॉन्सन ने सरकारी मशीनरी को निर्देशित किया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ०६ मई २०२५ से ०२ अक्टूबर २०२५ तक १५० दिनों का विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है, जिसमें 'विकसित महाराष्ट्र २०४७' हेतु विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा।

औरंगाबाद में इस्लाम: द अल्टिमेट आर्ट ऑफ लिविंग' पुस्तक का लोकार्पण समारोह सम्पन्न

डॉ. श्रीपाल सबनीस ने किया विमोचन, अशोक वानखेडे रहे प्रमुख अतिथि

छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद), १४ जुलाई २०२५: प्रख्यात वास्तुविशारद आर्किटेक्ट शेख अरशद द्वारा रचित पुस्तक इस्लाम: द अल्टिमेट आर्ट ऑफ लिविंग' का भव्य लोकार्पण समारोह आज हज हाउस, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में मराठी साहित्य संमेलन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. श्रीपाल सबनीस के करकमलों से पुस्तक का औपचारिक विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध पत्रकार अशोक वानखेडे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. इकबाल मिन्ने ने की।

यह पुस्तक इस्लामी जीवनशैली को एक आधुनिक और सकारात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है, जिसे सामाजिक और बौद्धिक क्षेत्रों में एक क्रांतिकारी प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

उद्धवजी, आपके लिए यहां आने का स्कोप है - मुख्यमंत्री फडणवीस की खुली पेशकश, अंबादास दानवे के विदाई कार्यक्रम में बदली सियासी फिजा

संवाददाता / ज़मीर काज़ी, मुंबई

पावसाळी अधिवेशन के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप और तीखे बयानबाज़ी से जहां वातावरण गर्म था, वहीं बुधवार को विधानसभा में थोड़ी नरमी देखने को मिली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बीच संवाद हुआ, कुछ हल्के-फुल्के तंज भी चले, और मुख्यमंत्री ने ठाकरे को चौंकाते हुए आपके लिए यहां आने का स्कोप है कहकर खुली पेशकश भी कर दी।

मौका था अंबादास दानवे की विदाई का

विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे के कार्यकाल की समाप्ति के अवसर पर आयोजित विदाई समारोह के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा,

२०२९ तक हमें विपक्ष में बैठने का स्कोप नहीं है, लेकिन उद्धवजी, आपके लिए इधर आने का स्कोप जरूर है!

इस हल्के-फुल्के अंदाज़ ने राजनीतिक हलकों में चर्चाओं को जन्म दे दिया। इससे पहले विधानभवन के दालान में दोनों नेताओं के बीच आमना-सामना हुआ और थोड़ी बातचीत भी हुई थी।

फडणवीस ने की दानवे की तारीफ, फिर बोले - वो फिर आएंगे!

मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि अंबादास दानवे हिंदुत्व की कट्टर भूमिका निभाने वाले कार्यकर्ता हैं। वे भोंगों के खिलाफ कई निवेदन दे चुके हैं। वे सावरकरवादी हैं और भाजपा की तालिम में तैयार हुए नेता हैं, लेकिन विधान परिषद की सीट शिवसेना को मिलने के कारण उन्हें वहाँ जाना पड़ा। अब उम्मीद है कि वो फिर हमारे पास लौट आएंगे।

उद्धव ठाकरे का जवाब: आपने एक दिया, कई छीन लिए!

उद्धव ठाकरे ने भी दानवे की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा,

दानवे जैसा शिवसैनिक, जिसने मुझसे कभी कोई पद नहीं मांगा, वही सच्चा शिवसैनिक है।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा,

मुख्यमंत्री फडणवीस का धन्यवाद कि उन्होंने भाजपा से तैयार किया हुआ नेता हमें दिया। लेकिन क्या मुख्यमंत्री उन नेताओं के लिए भी मेरा धन्यवाद करेंगे जो उन्होंने हमसे छीन लिए?

शिंदे और ठाकरे के बीच व्यंग्य का आदान-प्रदान

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा,

दानवे चांदी के चम्मच के साथ पैदा नहीं हुए, फिर भी उन्होंने गरीबों के लिए अच्छा काम किया है।

इस पर उद्धव ठाकरे ने पलटवार करते हुए कहा,

कुछ लोग भरते तश्तरी से भी खाना छोड़ कर दूसरों के रेस्टॉरेंट में चले जाते हैं, लेकिन दानवे ने कभी ऐसा विश्वासघात नहीं किया।

दानवे का भावुक भाषण: मैं जरूर लौटूंगा, पर कहां से - ये मत पूछिए!

दानवे ने अपने विदाई भाषण में कहा,

मैं जरूर लौटूंगा, इस बारे में चिंता मत कीजिए। पर मैं कहां से लौटूंगा, यह मत पूछिए!

उनकी बात पर सदन में ठहाके गूंज उठे। ठाकरे ने शिंदे के पास बैठने से किया इनकार फोटोसेशन के दौरान उद्धव ठाकरे के लिए एकनाथ शिंदे के पास कुर्सी रखी गई थी, लेकिन ठाकरे ने बैठने से साफ इनकार कर दिया। नीलम गोऱ्हे ने उनसे आग्रह किया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। अंततः गोऱ्हे दोनों नेताओं के बीच बैठीं।

फोटो सेशन में आते समय उद्धव ठाकरे ने शिंदे की ओर देखने से परहेज़ किया, जबकि शिंदे ने चश्मा साफ करने का बहाना बनाकर नजरें फेर लीं।

मिल्लिया प्राथमिक शाला शाखा-भालदारपुरा, बीड में विद्यार्थियों और माताओं के लिए आयोजित हुआ नि:शुल्क आरोग्य तपासणी शिबिर

बीड, १५ जुलाई: संवाददाता

अंजुमन ईशात-ए-तालिम, बीड के तत्वावधान में मिल्लिया प्राथमिक शाला (मुलींची), शाखा-भालदारपुरा, बीड में विद्यार्थियों और माताओं के लिए एक दिवसीय निःशुल्क आरोग्य तपासणी शिबिर (स्वास्थ्य जांच शिविर) का आयोजन किया गया। यह शिबिर मंगलवार, दिनांक १५ जुलाई २०२५ को सुबह १० बजे से दोपहर १ बजे तक आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मा. श्रीमती खान सबिहा बेगम, सचिव, अंजुमन ईशात-ए-तालिम, बीड की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की प्रमुख आयोजनकर्ता

श्रीमती मिज़र्ा कनिज फातिमा (मुखध्यापिका) रहीं, वहीं श्रीमती रिज़वाना बेगम कादरी (पर्यवेक्षक, शाखा-भालदारपुरा, बीड) ने आयोजन की देखरेख की।

शिबिर में मा. श्रीमती डॉ. रेशमा पठाण (एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ. - स्त्रीरोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ) और मा. श्रीमती डॉ. मरारत जहाँ खादरी (बी.एच.एम.एस., सी.जी.ओ. - सी.सी.एच. बालरोग विशेषज्ञ) ने अपनी सेवाएं दीं। इस आयोजन में फैसल सर, शिक्षिका हाजरा बाजी, सबीहा खतिब, मरसत सुलताना बाजी, नीशात बाजी, शाज़िया खान बाजी, नजमुश्शेख बाजी, सना फातिमा बाजी, अरशीफा बाजी, तस्लीम बाजी, सबाः फातिमा बाजी, सबा अंजुम बाजी और अवदा बाजी ने सक्रिय सहभाग लिया।

यह शिबिर अंजुमन ईशात-ए-तालिम द्वारा चलाए जा रहे समाजोपयोगी कार्यक्रमों की एक कड़ी है, जिसका उद्देश्य छात्राओं व माताओं के आरोग्य के प्रति सजगता व स्वास्थ्य सेवा की सुविधा प्रदान करना है।

चड्डी-बनियान गैंग के खिलाफ विधान भवन की सीढ़ियों पर विरोधियों का जोरदार प्रदर्शन

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई:

महाराष्ट्र में सक्रिय लुटेरी और डकैत चड्डी-बनियान गैंग के खिलाफ बुधवार को विधान भवन की सीढ़ियों पर महाविकास आघाड़ी के विधायकों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

विपक्ष का आरोप है कि महाराष्ट्र में चड्डी-बनियान गैंग ने आतंक मचा रखा है। विभिन्न ठेकों के माध्यम से यह गैंग जनता के पैसों पर डाका डाल रही है। आम नागरिकों के साथ मारपीट करते हुए चड्डी-बनियान पहनकर अंधविश्वास फैलाने के लिए हवन-पूजन जैसे कर्मकांड किए जा रहे हैं।

इन गंभीर घटनाओं के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए यह आंदोलन किया गया है, ऐसा बयान विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने दिया।

इस दौरान पचास खोके एकदम ओके, चड्डी बनियान गैंग हाय-हाय, महाराष्ट्र को लूटने वालों धिक्कार हो, डकैती करने वाली चड्डी बनियान गैंग का धिक्कार हो - जैसे नारों के साथ महाविकास आघाड़ी के विधायकों ने प्रदर्शन किया।

लोकजागरूकता और जनशिक्षा के माध्यम से समाज को दिशा देने का प्रयास करेंगे-ॲड.अजित देशमुख

रांजणगांव - बीड़ (प्रतिनिधि)

आज समाज को अच्छे कार्यकर्ताओं की ज़रूरत है। साथ ही विभिन्न मुद्दों पर जनशिक्षा और लोकजागरूकता लाना भी जरूरी है। जब तक संगठन नहीं बनते, तब तक जनता की छोटी-छोटी समस्याएं भी हल नहीं होतीं, और उन्हें मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। इसी उद्देश्य से स्वराज्य जनजागृति परिषद की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से हम जनता की समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करेंगे - ऐसा वक्तव्य स्वराज्य जनजागृति परिषद के अध्यक्ष एड. अजित एम. देशमुख ने किया।

आज रांजणगांव में परिषद के विश्वस्त मंडल की पहली बैठक संपन्न हुई, जिसमें वे बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में किसानों, छात्रों और श्रमिकों की कई समस्याएं गंभीर रूप से सामने आ रही हैं। इन सभी समस्याओं पर एकत्रित होकर चर्चा करने की आवश्यकता है। कार्यकर्ताओं में कार्य करने की क्षमता है, और इन्हीं कार्यकर्ताओं को एकत्र कर परिषद के माध्यम से समाज को दिशा देने का प्रयास किया जाना चाहिए। परिषद के माध्यम से ऐसा कार्य होना चाहिए जिसे नई पीढ़ी आदर्श के रूप में देखे।

बैठक में महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों तक जल्द से जल्द पहुंचने पर भी चर्चा की गई। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनमानस तक कैसे पहुँचा जाए, इस पर भी कुछ निर्णय लिए गए।

परिषद के उपाध्यक्ष संदीप जगताप (सातारा) ने कहा कि परिषद में कार्य करने के लिए चरित्रवान लोगों को संगठित करने का प्रयास होना चाहिए। अधिक से अधिक युवाओं को शामिल करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रयास करना चाहिए। साथ ही संगठन को बड़ा करने के लिए उचित निर्णय लेने की आवश्यकता है।

परिषद के कोषाध्यक्ष शिवाजी खेडकर (पुणे) ने कहा कि परिषद केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि महाराष्ट्र के बाहर भी बड़े पैमाने पर कार्य खड़ा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने किसानों और श्रमिकों के मुद्दों के साथ-साथ लोकजागरूकता के विषय पर भी अपने विचार रखे।

परिषद के सचिव तुषार पाटील ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में गांव स्तर से सुधार होना चाहिए, इसके लिए स्कूलों पर ध्यान केंद्रित कर विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं गांव में ही उपलब्ध कराने के लिए सक्रिय रहना होगा।

परिषद के विश्वस्त गोवर्धन मस्के और विष्णु ढवळे ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को जागरूक रहकर और जितना संभव हो उतना समय देकर कार्य करना चाहिए। मा. अण्णा हजारे द्वारा भेजा गया शुभकामना संदेश गोवर्धन मस्के ने पढ़कर सुनाया।

आज की इस विश्वस्त मंडल की बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सभी विषयों पर सक्रिय रूप से चर्चा की और संगठन को कैसे बढ़ाया जाए, इस पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक का आयोजन श्रीक्षेत्र रांजणगांव (गणपती मंदिर) स्थित ग्रामपंचायत सभागृह में किया गया, जहां संचालन गोवर्धन मस्के ने किया और आभार प्रदर्शन शिवाजी खेडकर ने किया।

शरद पवार गुट के प्रदेश महासचिव पद पर रोहित पवार की नियुक्ति-नए प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे का बड़ा फैसला

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार पक्ष के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष तथा विधायक शशिकांत शिंदे ने कार्यभार संभालने के २४ घंटे के भीतर ही संगठन में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए विधायक रोहित पवार को प्रदेश महासचिव तथा सभी फ्रंटल संगठन और प्रकोष्ठों का प्रभारी नियुक्त किया है।

शिंदे के प्रदेश कार्यालय आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया और आतिशबाजी की गई।

ज्ञात हो कि बीते दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने मुंबई में हुई राज्य कार्यकारिणी बैठक में शशिकांत शिंदे को प्रदेशाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी।

इस अवसर पर शशिकांत शिंदे ने कहा,

शरद पवार साहेब के विचारों से प्रेरित इस पार्टी में, हम जयंत पाटील और सांसद सुप्रिया सुळे जैसे वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में, पहले से कार्यरत पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर, भविष्य की योजनाओं पर काम करेंगे।

हमारे आंदोलन को आक्रामक और सशक्त बनाने के लिए रोहित पवार को प्रदेश महासचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है। यह नियुक्ति संगठन को गति देने की दिशा में एक अहम कदम है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि,

पूर्व में नियुक्त सभी कमेटियां यथावत बनी रहेंगी। अगर कहीं फेरबदल की आवश्यकता हुई तो वह भी सामूहिक निर्णय से किया जाएगा। पुराने और नए कार्यकर्ताओं को साथ लेकर एक सशक्त संगठन खड़ा करने का हमारा प्रयास रहेगा। रोहित पवार को ओबीसी सेल और युवक संगठन की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस मौके पर विधायक रोहित पवार ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा:

मुझे जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता को यह बड़ी जिम्मेदारी देना, मेरे लिए गर्व की बात है। शरद पवार साहेब के विचारों के साथ हम सभी कार्यकर्ता निष्ठा के साथ खड़े रहे हैं। आप सबने चाहे कितनी भी चुनौतियाँ देखी हों, कभी झुके नहीं। जैसे अब तक मैं और महाराष्ट्र के तमाम कार्यकर्ता शरद पवार साहेब के साथ दृढ़ता से खड़े रहे हैं, आगे भी हम सब मिलकर और अधिक ताक़त के साथ संघर्ष करेंगे - यह मेरा आपसे वादा है।

जिला स्तरीय स्कूल सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता २४ जुलाई से

बीड, दिनांक १६ (जिमाका):

जिला स्तरीय स्कूल सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता की तारीखों में बदलाव किया गया है। अब यह प्रतियोगिता २४ से २५ जुलाई २०२५ के दौरान जिला क्रीड़ा संकुल, बीड में आयोजित की जाएगी। पहले यह प्रतियोगिता १७ से १८ जुलाई को होनी थी, लेकिन तकनीकी कारणों से नई तिथियाँ तय की गई हैं। यह प्रतियोगिता २०२५-२६ के शालेय क्रीड़ा उपक्रमों की शुरुआत होगी।

अधिक जानकारी के लिए क्रीड़ा अधिकारी श्री कालिदास होसूरकर (मो.: ९४२१५९५५१५) और प्रतियोगिता संयोजक श्री जितेंद्र आराक (मो.: ९२२६४८१७२८) से कार्यालयीन समय में संपर्क करने की अपील जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अरविंद विद्यागर ने की है।

२४ जुलाई को १७ वर्ष से कम आयु वर्ग की लड़के और लड़कियों की प्रतियोगिता होगी, जबकि २५ जुलाई को १५ वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कों के मैच होंगे। सभी टीमों को www.subrotocup.in इस वेबसाइट पर २३ जुलाई २०२५ की रात १० बजे तक ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य है। प्रवेश शुल्क २०००/- निर्धारित है और केवल पंजीकृत टीमों को ही प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

सभी मैच जिला क्रीड़ा संकुल, बीड में ही आयोजित किए जाएंगे।

जिला स्तर पर विजयी टीमों को विभागीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

विभागीय स्तर की सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता भी बीड में ही २८ से २९ जुलाई २०२५ के बीच आयोजित की जाएगी।

इसमें विजयी टीमों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रवेश मिलेगा और राज्य विजेता टीमें राष्ट्रीय स्तर पर सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसायटी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com